

---

.. nakha stuti ..

॥ नभस्तुती ॥

Document Information



---

Text title : nakha stuti

File name : nakha\_stuti.itx

Location : doc\_vishhnu

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Shrisha Rao shrao at dvaita.org

Proofread by : Shrisha Rao shrao at dvaita.org

Latest update : November 1, 2010

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 2, 2016

*sanskritdocuments.org*

---



## ॥ नभस्तुती ॥

॥ श्री नृसिंहनभस्तुतिः ॥

पान्त्वस्मान् पुरुहूत वैरि बलवन् मातङ्ग माधकटा ।  
कुंभोऽय्याद्रिविपाटनाऽधिकपटु प्रत्येक वज्रायिताः ।  
श्रीमत्कष्ठीरवास्यप्रततसुनभरा दारिताराऽतिदूर ।  
प्रदध्वस्त ध्वांत शांत प्रवितत मनसा भाविता भूरिभागीः ॥ १ ॥

लक्ष्मीकांतसमंततोऽपिकलयन् नैवेशितुः ते समम् ।  
पश्याभ्युत्तमवस्तु दूरतरतो पास्तं रसो योऽष्टमः ।  
यद्रोशोत्कर दक्षनेत्रकुटिलः प्रांतोत्थिताऽग्नि स्फुरत् ।  
अधोतोपमविस्कुलिङ्ग भसिता ब्रह्मेशशक्तीकराः ॥ २ ॥

एति श्रीमदानंदतीर्थ भगवत्पाद्याचार्य विरचितं  
श्री नृसिंहनभस्तुतिः सम्पूर्णम्  
॥ भारतीरमणमुष्यप्राणांतर्गत श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

Encoded and proofread by Shrisha Rao shrao at dvaita.org



.. nakha stuti ..

was typeset on August 2, 2016



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

